विश्वास संस्थान, रायबरेली, उ0प्र0

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट वर्ष 2017–18

प्रस्तावना – विश्वास संस्थान समाज को नई दिशा देने हेतु सतत प्रयासरत है। संस्थान महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए लगातार प्रयासशील है। विश्वास संस्थान की स्थापना वर्ष 1996–97 में रायबरेली जनपद के ग्राम जनेवा कटरा में की गयी। संस्था का पंजीकरण 27 मार्च 1999 में हुआ। संस्थान का प्रशासनिक कार्यालय जनपद रायबरेली के मुख्यालय में स्थापित है। संस्थान ने अपनी मेहनत, लगन, एवं कर्मठता के सहारे जनपद में ख्याति प्राप्त की। अन्य जनपदों मे भी कार्यक्रम का संचालन सफलता पूर्वक कर रही है। संस्थान अपने उद्देश्य हेतु उत्साही, विकासशील, सामाजिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक, शैक्षिक, बौद्धिक, आर्थिक. राष्ट्रीय भावना एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी विकास के सहयोग हेतु सत्त प्रयासरत है।

कृषक क्लब कार्यक्रम – कृषक क्लब कार्यक्रम महिला किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक एवं ज्ञानबर्द्धक कार्यक्रम रहा है। यह कार्यक्रम नाबार्ड की सहायता से दिसम्बर 2013 से प्रारम्भ होकर नवम्बर 2016 तक किया गया। जनपद रायबरेली के चार विकास खण्डों के 40 गॉवों में महिला कृषक क्लब गठित करके उन्हें बैक से जोड़ा गया। इसके उपरान्त महिला किसानों ने अपनी अपनी समस्याओं को बैठक में चर्चा किया और कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के अधिकारियों कर्मचारियों को अपनी बैठक में बुला कर समस्या के समाधान हेतु चर्चा की और समस्याओं का निदान किया। जिससे महिला किसानों की स्थिति गॉव मे बेहतर हुई। महिलाओं को भी किसान का दर्जा प्राप्त हुआ उनका सम्मान बढ़ा। संस्थान ने इस वर्ष कृषक क्लब का फालोअप किया। जिसमें अभी भी क्लब स्वयं से बैठक करते हुए दिखें। विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मोबाइल नम्बर पर लगातार सम्पर्क किया जा रहा है। समय – समय पर विभाग की सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्राप्त कर रही है। किसी भी प्रकार के आयोंजन एवं गोंष्ठी में क्लब के किसान भागीदारी लेने पहुॅच रहे है। कृषक क्लब महिलाओं को आगे बढ़ाने में पूर्ण रूप से सफल रहा है।

बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार उन्मुख व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम – क्षेत्र के युवा बेरोजगार युवक एवं युवतियों के रोजगार के लिए संस्थान लगातार प्रयासरत रही है। इसी के अतर्गत फंक्शलन वोकेशनल ट्रेनिंग एवं रिसर्च सेन्टर बंगलौर से प्रयास किया गया जिससे मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण, ब्यूटीशियन एवं ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट, गारमेंटस मेकिंग प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण में 25 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया। जबकि ब्युटीशियन एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण में 25–25 युवतियों को प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण युवाओं को रोजगार के लिए अत्यंत लाभदायक रहा है। यह प्रशिक्षण 2015 – 2016 में दिया गया। नवम्बर 2017 में परियोजना का फालोअप किया गया जिसमें पाया गया कि गारमेंट मेंकिग में 21 लड़कियों ने प्रशिक्षण के उपरान्त कार्य करना प्रारम्भ किया जबकि ब्यूटीशियन प्रशिक्षण में 20 लड़कियों ने स्वयं से या दूसरों के पार्लर में जुड़कर कार्य करना शुरू किया। वही मोबाइल प्रशिक्षण में 23 लड़कों ने कार्य करना प्रारम्भ किया।

बकरी पालन आधारित आजीविका संवर्धन परियोजना – यह परियोजना नाबार्ड के सहयोग से जनपद रायबरेली के सतॉव एवं राही विकास खण्ड के 10 गॉवों में संचालित की गयी। बकरी पालन का कार्य गॉवों में अति गरीब परिवार के लोग करते है। देखा गया है कि इन परिवारों के पुरूष मुखिया दूसरे शहरों में मजदूरी के लिए जाते है। वही पर महिलाएं कुछ बकरियों को पालती है और उनकी देखरेख में अपना एवं बच्चों का समय व्यतीत करती है। बकरियॉ गरीब परिवारों की एटीएम की तरह होती है। जिसे किसी विपत्ति के दौरान तुरंत बेचकर वह धन प्राप्त करती है। बकरी पालन आजीविका को वह व्यवसाय के रूप में नही पालती है। परियोजना के दौरान बकरी पालन को परिवार की मुख्य आजीविका के रूप में बढ़ाने पर जोर दिया गया। वही बकरी पालकों की समिति बनाकर उन्हे संगठित किया गया। संगठित होने पर बकरियों को बाजार से खरीदना और बेचना बताया गया। बाजार में बकरी बेचने से उन्हें उचित दाम प्राप्त होते है जबकि चिकवा के द्वारा बेचने पर बकरी की कीमत नही प्राप्त होती है। इस वर्ष परियोजना से जुड़े बकरी पालकों का फालोअप किया गया जिसमें देखा गया कि बकरी पालकों ने बकरियों का झुंड बड़ा कर लिया है अधिकतर जो बकरी पालक 2 या 4 बकरी पालते थे अब वह 10 से 15 बकरियॉ पालने लगे है। बकरियों को बाजार में बेचते है और उन्नत नस्ल के बकरे से बकरियों को गर्भित करवातें है। बकरियों के बीमार होने पर परियोजना की पशु सखी द्वारा इलाज हो जाता है जो कि कम दाम में होता है इसलिए बकरियों की मृत्युदर में कमी आयी है। बकरी पालकों ने बताया कि हमें परियोजना से बहुत कुछ सीख मिली है अब हमारे घर पर अच्छी आमदनी हो जाती है जिससे हमारे परिवार में बच्चे पढाई कर रहे है और आगे बढ रहे है।

गरीब एवं जरूरतमंदों की सहायता कार्यक्रम – गरीब एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए समदासिनी फाउन्डेशन, हॉगकॉग से प्रत्येक वर्ष एक धनराशि गरीब एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए भेजती है। उनके सहयोग से कुछ जरूरतमंदों की मदद हो जाती है। संस्थान जरूरतमंदो की मदद करने में खुशी महसूस करती है। संस्थान ने इस वर्ष जनपद रायबरेली शहर के अति गरीबों को चिन्हित किया। इसके उपरान्त उन्हें कम्बल वितरित किए गए। जाड़े के समय में जरूरतमंद लोग कम्बल पाकर अत्यंत प्रसन्न हुए। शहर के सम्मानित लोगों ने इस कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

दूसरा कार्यक्रम जनपद रायबरेली में बने कुष्ठ आश्रम में किया गया। यहॉ लगभग 25 से 30 कुष्ठ रोगी रहते है। जो कि दूसरों से मदद लेकर अपना और परिवार का जीवनयापन करते है। संस्थान ने देखा कि इनको खाना बनाने के बर्तनों की आवश्यकता है जिससे एक जगह पर सभी का खाना बनाया जा सके इसलिए आश्रम को खाना पकाने के बर्तनों को भेंट किया। जिसे पाकर उनके चेहरे खिल गये और उन लोगों ने ढ़ेरों आर्शीवाद दिया। फाउन्डेशन द्वारा की गयी यह मदद कई चेहरों में मुस्कान लाती है।

शिक्षा जागरूकता – शिक्षा के अभाव में मनुष्य का विकास असंभव है। एक परिवार का विकास तब तक नही हो सकता है जब तक उस परिवार में महिला और पुरूष को समान शिक्षा का अवसर न प्राप्त हो।

गॉव में देखा जाता है कि परिवार में लड़कों की शिक्षा को पूर्ण रूप से अवसर दिया जाता है किन्तु लड़कियों को प्राथमिक या जूनियर विद्यालय तक की शिक्षा ही दी जाती है। लड़कियों को अनेको कारणों से आगे की शिक्षा नही दी जाती है। माता पिता लड़कियों को घरेलू काम काज की जानकारी देना ज्यादा महत्वपूर्ण समझते है। लड़कियों की उच्च शिक्षा की जागरूकता के लिए संस्थान ने जनपद रायबरेली के विकास खण्ड राही में ग्राम कुचरिया एवं बेला भेला में गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी विद्यालय में की गयी जिसमें सभी बच्चों, अध्यापकों, अभिभावकों, ग्राम प्रधान एवं सम्मानित नागरिकों को शामिल किया गया। अध्यापिका सरला वर्मा ने कहा कि लड़कियों को लड़को के समान उच्च शिक्षा करवानी चाहिए जिससे शादी के बाद वह अपने एवं अपने परिवार को सही दिशा दे सके। एक शिक्षित माता पिता ही एक अच्छा परिवार भविष्य में बना सकते है। उसी प्रकार संस्थान के प्रतिनिधि सविता बाजपेई एवं ग्राम प्रधान श्वेता शुक्ला, कुचरिया श्री मनोज यादव उत्तरपारा ने भी अपने – अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों को संकल्प दिलाया गया कि वह अपनी – अपनी बेटियों को शिक्षा से वंचित नही करेंगी। शिक्षा से ही सोच बनती है, जिससे वह भविष्य में अपना कैरियर बना सकती है।

<u>महिला एवं बच्चों के अधिकारों की जागरूकता</u> – प्रत्येक वर्ष की भॉति इस वर्ष भी महिला एवं बाल अधिकार जागरूकता कार्यक्रम किया गया। महिलाओं में शिक्षा का स्तर पहले की अपेक्षा बढ़ा है। नौकरी में महिलाओं की भागीदारी अधिक हो गयी है। जिससे महिलाएं अब परिवार की जिम्मेदारियों के साथ ही साथ बाहर की जिम्मेदारियॉ भी निभाती है। कभी – कभी देखा जाता है कि महिलाओं के ऊपर कार्य का भार अत्यधिक डाल दिया जाता है। धीरे–धीरे महिला कार्य को बोझ की तरह ढोती रहती है। जबकि समकक्ष पद का पुरूष कार्यकर्ता अपने कार्य को बड़े आराम के साथ करता है। इसलिए महिलाओं को यह समझना अति आवश्यक है कि किस कार्य को वह करे और कौन सा कार्य उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता है उसे वह स्पष्ट मना कर दे। जरूरत से ज्यादा जिम्मेदारियॉ लेने से त्रुटियॉ भी होती है जिसका दोष महिला कार्यकर्ता पर आसानी से डाल दिया जाता है। संस्थान ने विकास खण्ड सतॉव के गॉव अहमदपुर एवं किलौली में एक–एक गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी में गॉव की अधिकतर महिलाओं एवं पुरूषों ने भागीदारी लिया। संस्थान की कार्यकर्ता श्रीमती सविता ने ग्राम प्रधान, ऑगनबाड़ी कार्यकत्री, अध्यापिका, आशा बहू एवं सामाजिक कार्यकर्ता आशा, माया एवं विमला जी के विचार से सभी उपस्थिति लोगों को लाभान्वित करवाया। गोष्ठी में बाल अधिकार जागरूकता पर चर्चा करते हुए आशा जी ने बताया कि 18 वर्ष से पहले बच्चे को किसी प्रकार के कार्य में नहीं लगाना

चाहिए। अक्सर लोग कुछ धन अर्जन हेतु बच्चों को छोटे छोटे होटल एवं अन्य मेहनत के कार्यों मे लगा देते है। जिससे बच्चों का विकास रूक जाता है। वह आगे नही बढ़ पाते है। बच्चों को सर्वप्रथम शिक्षा का अधिकार है। शिक्षा प्राप्त कर वह अपने भविष्य की दिशा तय कर सकते है। बच्चों को सही दिशा देने का अधिकार माता व पिता को है। लड़कियों को भी लड़कों के समान शिक्षा का अधिकार देना चाहिए। कम उम्र में शादी नही करना चाहिए।

पर्यावरण जागरूकता – अपने आस–पास की साफ सफाई रखना हर व्यक्ति प्रथम कर्तव्य होता है। पर्यावरण की जागरूकता के लिए जनपद रायबरेली के विकास खण्ड हरचन्दपुर के गॉव अड़ोबर एवं मुबारकपुर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान अड़ोबर श्री धनीराम मौर्या ने गोष्ठी को सफल बनाने में सराहनीय सहयोग दिया। गोष्ठी पंचायत भवन में की गयी। गोष्ठी के दौरान गॉव के सम्मानित नागरिक, ग्राम प्रधान, ऑगनबाड़ी, संस्थान प्रतिनिधि श्रीमती पूनम सिंह एवं गॉव की महिलाएं एवं पुरूष उपस्थिति रहे। ऑगनबाड़ी कार्यकत्री ने बताया कि पर्यावरण को अच्छा रखने के लिए हम सभी को अपने आसपास पेड़ –पौधों को लगाना चाहिए। ज्यादा पेड़ पौधे होने से हमें शुद्ध आक्सीजन प्राप्त होती है। साथ ही मौसम भी अच्छा रहता है। बारिश भी समय से होती है। वही ग्राम प्रधान ने बताया कि हमें पालीथिन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पालीथिन मिट्टी में सड़ती नही है जिससे वह हवा मे उड़कर चारो तरफ फैलती है। बाजार में रंग बिरंगी पालीथिन या प्लास्टिक के खाने पीने के बर्तन बिक रहे है जिसमें गर्म खाना खाने से कैमिकल पेट में पहुचता है और स्वास्थ्य खराब होता है उसी प्रकार प्लास्टिक के बर्तन बाहर फेकने से वातावरण को हानि पहुचाते है। यदि प्रत्येक नागरिक अपनी अपनी जिम्मेदारियों को ध्यान देकर कार्य करे तो पर्यावरण अच्छा रहेगा। संस्थान की प्रतिनिधि ने सभी के विचारों को सुना और समझा इसके उपरान्त सभी आगन्तुकों को धन्यबाद दिया एवं कार्यक्रम का समापन किया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता – सड़क सुरक्षा आम नागरिक के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। अधिकतर देखा गया है कि सड़क पर अधिकतर दुर्घटना यातायात के नियमों का पालन न करने पर होती है। आम जनता में खास तौर से नए युवा वर्ग के लड़के एवं लड़कियों में जागरूकता लाने के लिए स्कूल के बच्चों को निबन्ध लेखन का कार्यक्रम करवाया गया। यह कार्यक्रम संस्थान ने विकास खण्ड सतॉव के चार स्कूलों में किया। ग्राम देदौर, अहमदपुर, कोरिहर, अटौरा बुज़ुर्ग, सुल्तानपुर खेड़ा के जूनियर हाई स्कूल एवं इण्टर कालेज के बच्चों के साथ को निबन्ध लेखन प्रतियोगिता करवायी गयी। जिसमें 116 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों ने अपने – अपने विचारों को लिखा। निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के उपरान्त सभी स्कूलों के बच्चों को यातायात के नियम बताए गए।

1. सड़क पर चलने वाले सभी लोगों को अपने बॉये तरफ ही चलना चाहिए खासतौर पर गाड़ी चलाने वाले को भी और दूसरी तरफ से आ रहे वाहन को जाने देना चाहिए।
2. साइकिल से जाने वाले बच्चों को साइकिल चलाते समय दोस्तों से बात नही करनी चाहिए पूरा ध्यान सड़क पर आने जाने वाले साधनों पर होना चाहिए।
3. साइकिल या दोपहिया बाहन की गति बहुत तेज नही होनी चाहिए जब वह भीड़ वाले स्थान पर हो।
4. सभी वाहनों को दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए।
5. रेलवे क्रासिंग पर गेट बन्द होने पर नही निकलना चाहिए।
6. कोई भी वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात नही करनी चाहिए।

यदि हम सभी सड़क यातायात के नियमों का ध्यान रखे तो बहुत दुर्घटनाएं कम हो सकती है। अपनी एवं दूसरों की जिंदगी को सुरक्षित रखना हमारा पहला कर्तव्य है।

योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता – योगा और प्राकृतिक चिकित्सा आज की भागदौड़ की जिन्दगी में समाप्त होता जा रहा है। जिसकी जगह पर एलोपैथ दवाओं पर लोगों का विश्वास जमता जा रहा है। जबकि यह दवाएं लोगों को नुकसान पहुचाती है। साथ ही और भी कई रोग पैदा कर देती है। लोगों में योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता लाने के लिए विकास खण्ड अमावॉ के गॉव सिधौना में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान डा0 भगवानदीन, ग्राम प्रधान श्री मो0 जुबेर, प्रधानाध्यापिका श्रीमती दीप्ति सिंह, कु0 अरूणिमा वर्मा ऑगनबाड़ी ऊषा सैनी, सहायिक शिवदेबी एवं गॉव के महिला, पुरूष एवं युवक उपस्थिति रहे। डा0 भगवानदीन ने बताया कि योगा हमारे शरीर को मजबूत, लचीला, त्वचा में चमक, शान्तिपूर्ण मन एवं अच्छा स्वास्थ्य देता है। हम लोग यह नही जानते है कि योग शारीरिक, मानसिक रूप से तथा श्वसन में लाभ देता है। योग हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता से हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते है। प्राकृतिक चिकित्सा के अन्तर्गत एक्यूप्रेशर एवं हमारी दैनिक उपभोग की वस्तुओं से ही रोग को ठीक किया जा सकता है। इस प्रकार के उपचार से हमारे शरीर को कोई भी नुकसान नहीं पहुंचता है और शरीर के साथ ही साथ मन भी स्वस्थ होता है जिससे हम अपने मे एक उर्जा महसूस करते है।

कृषि एवं औषधीय पौधों की जागरूकता – भारत कृषि प्रधान देश है, इसलिए अधिकतर लोग गॉवों में निवास करते है। किसानों की मुख्य आजीविका खेती है। किसान प्रत्येक मौसम के अनुसार फसल प्राप्त करता है। लगातार खेती करने से किसान परम्परागत खेती करते रहते है। जिससे फसल धीरे धीरे कम हो जाती है। किसानों को लाभ नहीं प्राप्त हो पाता है। किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी हेतु संस्थान ने जनपद रायबरेली के विकास खण्ड हरचन्दपुर में ग्राम अड़ोबर एवं गंगागंज में कृषि वैज्ञानिक गोष्ठी की गयी। गोष्ठी में कृषि से सम्बन्धित जानकारी देने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र के डा0 कनौजिया जी को बुलाया गया। डा0 कनौजिया ने किसानों को फसल में झुलसा रोग एवं उपचार बताया साथ ही किसानों की समस्याओं को सुनकर उसका उपचार कैसे करना चाहिए बताया। डा0 कनौजिया ने मिट्टी की जॉच करवाने के लिए जोर दिया सभी किसानों को अपने खेत की मिट्टी प्रतिवर्ष जॉच करवानी चाहिए जिससे उन्हे अपने खेत की स्थिति की जानकारी होती है। यह जॉच कृषि विभाग मे की जाती है।

डा0 कनौजिया ने बताया कि जो किसान खेती से ज्यादा लाभ प्राप्त करना चाहते है वह औषधीय पौधों तुलसी, सुगन्धा आदि की खेती करे जिससे उसे बेचकर वह ज्यादा लाभ कमा सकते है। डा0 कनौजिया ने बताया कि औषधीय खेती करने के लिए ज्यादा जानकारी सीमैप, लखनऊ से प्राप्त होगी। सीमैप के अधिकारी का मोबाइल नंम्बर सभी किसानों को नोट करवाया गया। इसके उपरान्त अड़ोबर के ग्राम प्रधान श्री धनीराम मौर्या ने अपने विकास कार्यों के चर्चा करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

सांस्कृतिक विकास जागरूकता – संस्कृति एवं साहित्य हमारे देश की धरोहर होती है। देश की धरोहर को सजोकर रखना हर पीढ़ी का कर्तव्य होता है। संस्थान ने क्षेत्र में कार्य करने के दौरान पाया कि पुरूषों एवं महिलाओं में कई प्रकार के गुण विद्यमान है। कुछ महिलाएं अच्छा गीत गाती है तो कुछ पुरूष त्यौहारों एवं ऐतिहासिक तत्थयों को लेकर गीत लिखते है और पूरे जोश के साथ गाते है साथ ही सभी लोगों का मनोरंजन होता है। कुछ लोग अच्छा अभिनय कर लेते है किन्तु इन कलाकारों को किसी भी प्रकार का सहयोग नही मिलता है। इसलिए संस्थान ने क्षेत्र के कलाकारों की टीम बनाकर इन लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार पर कार्यक्रम करने के लिए प्रेरित किया गया। जिससे क्षेत्र में कलाकारों की ख्याति बढ़ी कलाकारों को समय –समय पर प्रोत्साहित किया गया। कलाकारों को सम्मान प्राप्त होने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा। कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए जनपद रायबरेली के ग्राम किलौली में प्रधान शशिबाला मिश्रा के सहयोग से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में सभी कलाकारों ने अपनी अपनी कला से सभी का मन मोह लिया।

स्वच्छता जागरूकता – प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास के माहौल को स्वच्छ और साफ रखना उसका कर्तव्य होता है किन्तु जागरूकता के अभाव में बहुत लोग इस विषय में विचार नहीं करते है। स्वच्छता को सरकारी काम समझ कर वही पर कूड़े का ढ़ेर लगा देते है। जिसका परिणाम गंदगी से होने वाली बीमारियॉ होना शुरू हो जाती है। गॉवों में रहने वाले लोग घरों में शौचालय का प्रयोग न करके खुले में शौच के लिए जाते है। इसके अलावा गाय भैसों का गोबर एवं दैनिक कूड़ा गॉव में डालते है जिससे गॉव का वातावरण प्रदूषित हो जाता है। इस कारण अधिकतर लोग अपनी आमदनी का अधिक हिस्सा बीमारी में खर्च करते है। स्वास्थ को नुकसान होने से उनका विकास नहीं हो पाता है। संस्थान स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए समय–समय पर बैंठके करके चर्चा करती रहती है। जनपद रायबरेली के विकास खण्ड राही के ग्राम भॉव में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में गॉव के प्रधान मो0 हसीब एवं गॉव के सभी सम्मानित नागरिक महिलाएं एवं पुरूषों को एकत्रित करके गोष्ठी की गयी। गोष्ठी के दौरान संस्थान की प्रतिनिधि रेखा सिंह ने बताया कि प्रत्येक घरों में शौचालय का होना अति आवश्यक है। शौचालय घर पर होने से हमारी मॉ बहनें, बहू और बेटियॉ सामाजिक दुर्घटना की शिकार नही होती है, उन्हें सुरक्षा प्राप्त होती है। साथ ही महिला एवं पुरूष सभी को शौचालय प्रयोग करने से बीमारियॉ नही होती है। जिस प्रकार रहने के लिए कमरे की व्यवस्था आवश्यक है उसी प्रकार घरों मे शौचालय अति आवश्यक है। इसके उपरान्त सम्मानित गणमान्य श्री प्रकाश जी ने घरों के आस पास कूडा नही फेकना चाहिए इस बात पर जागरूक किया। प्रधान जी ने सभी लोगों को व्यक्तिगत साफ सफाई के बारे में समझाया। सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

आगामी वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम – संचालित कार्यक्रमों के साथ–साथ संस्थान आगामी वित्तीय वर्ष में अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु प्रयासरत है–

- बकरी पालन आजीविका परियोजना
- कृषक क्लब कार्यक्रम
- बेरोजगार युवाओं को रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम
- शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम
- गरीब एवं जरूरतमदों की सहायता कार्यक्रम
- सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम
- बाल एवं महिला अधिकार जागरूकता कार्यक्रम
- योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम
- सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रम

संस्था अपने लक्ष्य एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत है। आपके वांछित सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा रखती है।